राम	।। राम नाम लो, भाग जगाओ ।। ।। राम नाम लो, भाग जगाओ ।।	राम	
राम	३७४ ।। पदराग धनु प्रभाति ।।	राम	
राम	सतगुरू मेहेमा कीजे हो	राम	
राम	सत्तगुर म्हेमा कीजे हो ।। तन मन धन सब दीजे हो ।।टेर।।	राम	
राम	Glorify the Satguru Offer your body, mind, and wealth to the Satguru and glorify the Satguru.	राम	
	वे मोर्ख मुगत का दाता हो ।। वां बिन नरका जाता हो ।।१।।		
राम	The Satguru is the giver of liberation. If I had not met him, I would have remained in hell, suffering great pain.	राम	
राम	सुण मन तोहिज बतावे हो ।। गुरू बिन धाम न जावे हो ।।२।।	राम	
राम	Oh mind, listen, if you had not met the Satguru, you would never have reached the	राम	
राम	abode of great happiness. This I tell you प्रेम सहेत सब कीजे हो ।। गुरू अग्यामे रीजे हो ।।३।।	राम	
राम	Oh soul, love your guru even more than your family and live in their obedience.	राम	
राम	वां सुं कछू न दुरावो हो ।। ज्याँ कर साहेब पावो हो ।।४।।	राम	
राम	By the grace of Satguru, the Lord has manifested within. Never be away from the thoughts of such a Satguru.	राम	
राम	जुग जुग करम कमावे हो ।। गुरू सरणे सब जावे हो ।।५।।	राम	
राम		राम	
राम	गुरू पूज्या सुख पायो हो ।। प्राण आद घर जावे हो ।।६।।	राम	
राम	By worshiping the Satguru i.e. taking refuge, my soul attained the happiness of the true form and reached the ultimate house, in this way my Satguru is blessed,	राम	
राम	blessed.	राम	
	सतगुरू अेसा कुवावे हो ।। सुखदेव भेद बतावे हो ।।७।। In this way, Satguru Sukhramji Maharaj tells all the men and women of the world	राम	
	the secret of coming out of the death angles land of sorrow and reaching the land		
	of ultimate happiness.	राम	
राम		राम	
	अर्थकर्ते : सतस्वरूपी संत राधाकिसनजी झंवर एवम् रामरनेही परिवार, रामद्वारा (जगतपाल) जलगाँव – महाराष्ट्र		